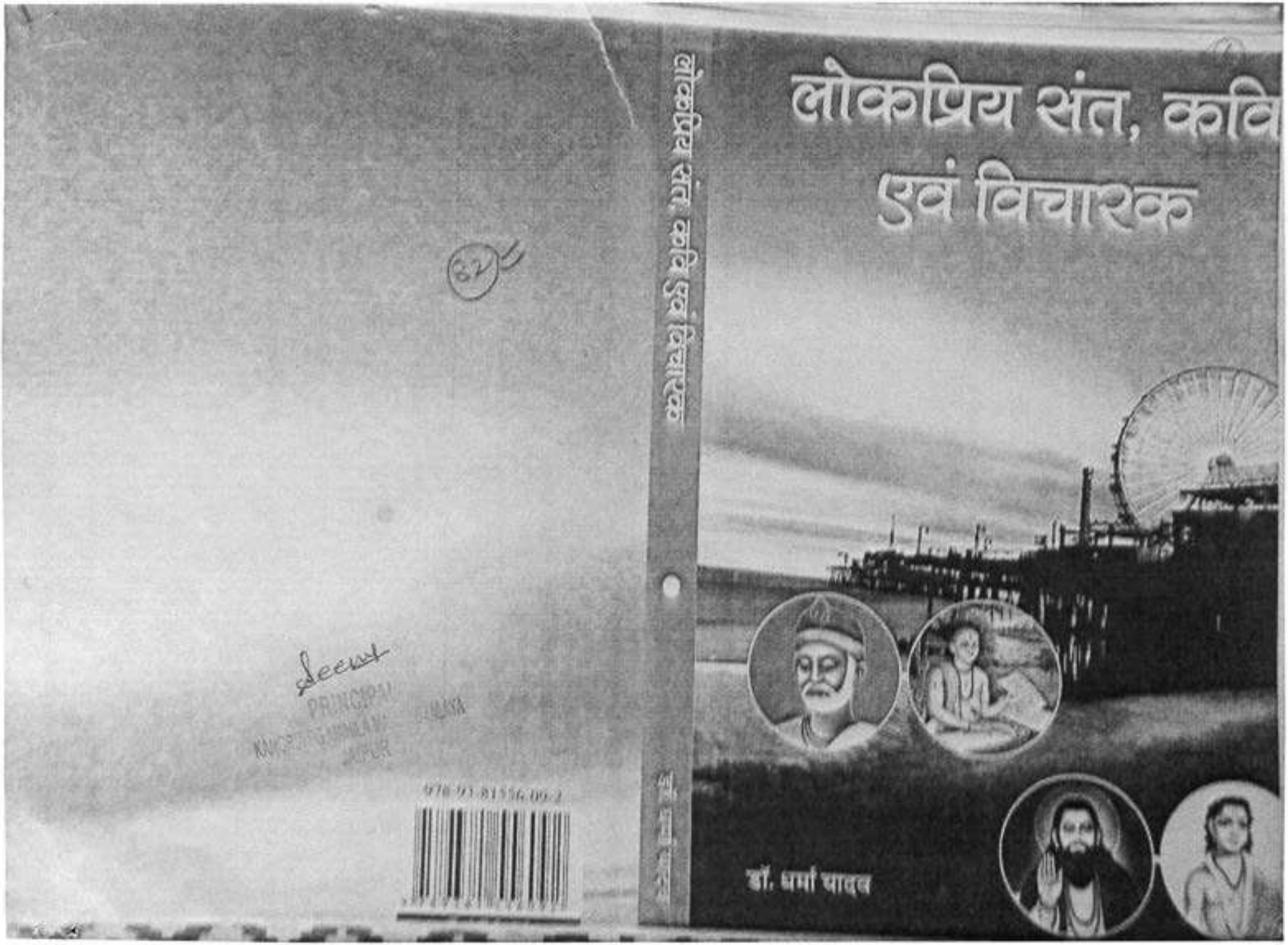

लोकप्रिय संत, कवि एवं विचारक

डॉ. धर्मा यादव

लोकप्रिय संत, कवि एवं विचारक

PRINCIPAL
... MAHAVIDYALAYA
JAIPUR

978-93-81556-09-2

लोकप्रिय संत, कवि एवं विचारक

सम्पादक
डॉ. धर्मा यादव

प्रकाशक
पारीक बुक डिस्ट्रीब्यूटर्स
F-4, एस.जी.एम. हाउस,
आटाणियों का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर

©
सुरक्षित

प्रथम संस्करण
2019

ISBN
978-93-81556-09-2

मूल्य
₹ 175/- मात्र

मुद्रक
हरीश प्रिन्टर्स, जयपुर

अपनी बात

इतिहास साक्षी है, विभिन्न सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक परिस्थितियों ने महान् कवि, संत और विचारकों को जन्म दिया है। सामाजिक कुरीतियाँ, धार्मिक रूढ़ियाँ, घटते जीवन मूल्य व मानवता के पतन से त्रस्त भारतीय जनमानस को इन्होंने ने एक दिशा दी।

अज्ञान, अनैतिकता, अधर्म और अहिंसा की ओर बढ़ते समाज का इन कवियों और विचारकों ने मार्गदर्शन किया। कबीर, तुलसी, नानक जैसे संतों की वाणी सामाजिक सरोकारों से जुड़ी है तो विवेकानन्द जैसे विचारक प्रेरणा स्रोत भी हैं। क्योंकि आज शिक्षा और आधुनिकता ने भी हमें धार्मिक रूढ़ियों से आजाद नहीं किया। जितने हम आधुनिक होते जा रहे हैं उतना ही जीवन-मूल्यों का ह्रास हो रहा है। ऐसे में इन सन्तों की वाणी और महान् विचारकों के विचार आज भी प्रासंगिक हैं।

प्रस्तुत पुस्तक भारतीय लोकप्रिय कवियों व विचारकों के जीवन परिचय के साथ उनके विचारों का संग्रह है। कबीर, सूर, तुलसी, मीरा, नरसी मेहता, नामदेव, गुरु नानक जैसे संत कवियों से परिचय के साथ-साथ रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, दयानन्द सरस्वती जैसे विचारकों के विचारों से यह पुस्तक अवगत कराती है। संत कवियों व विचारकों के सामाजिक सरोकारों से जुड़े विचारों के इस संग्रह से साहित्य के विद्यार्थी और सुधी पाठक अवश्य ही लाभान्वित होंगे, इसी आशा के साथ...

–डॉ. धर्मा यादव
संपादक

Scanned with CamScanner